NEWS CLIPPING: 02.05.2018

DAINIK JAGRAN

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से नए पाठ्यक्रम

बीटेक में सिविल इंजीनियरिंग व बीएससी में एनिमेशन और मल्टीमीडिया होंगे शुरू

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय में जुलाई से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र में स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रबंधन के नए पाठ्यक्रम शामिल किए जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों में सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक, बीएससी में एनिमेशन और मल्टीमीडिया, गणित व रसायन विज्ञान में बीएससी ऑनर्स तथा बीबीए शामिल हैं। इसके अलावा नए सत्र से एमसीए तथा बी-टेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाई जाएंगी।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) ने 60 सीटों के साथ बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग) शुरू करने के विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह पाठ्यक्रम आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों जैसे निर्माण प्रौद्योगिकी, भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, संरचनात्मक इंजीनियरिंग और पर्यावरण इंजीनियरिंग की आवश्यकताओं को पूरा करने उद्देश्य से डिजाइन किया जा रहा है। पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी जटिल संरचनाओं का विश्लेषण और डिजाइन करने में पूरी तरह से प्रशिक्षित होंगे। एआइसीटीई ने विश्वविद्यालय में पहले से चल रहे बी-टेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) और मास्टर्स ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी का बाहरी दृश्य ● जागरण

(एमसीए) पाठ्यक्रमों की सीटों को क्रमशः 60 से 120 व 30 से 60 बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। बीटेक के नए पाठ्यक्रमों मंजूरी देने और सीटें बढ़ाने से पूर्व एआइसीटीई की टीम ने मार्च महीने में विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया था।

विज्ञान संकाय में भी शुरू किया जाएगा नया पाठ्यक्रम: विश्वविद्यालय विज्ञान संकाय में भी नए पाठ्यक्रम शुरू करेगा, जिसका मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर विज्ञान के ज्यादा से ज्यादा पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाना है। पिछले साल विश्वविद्यालय में बीएससी ऑनर्स फिजिक्स की शुरुआत 60 सीटों के साथ की गई थी। इस साल विश्वविद्यालय 60-60 सीटों के साथ बीएससी (ऑनर्स) गणित व रसायन विज्ञान शुरू करेगा। इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में ही भविष्य में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के उपरांत उच्च शिक्षा का अवसर भी मिलेगा। विश्वविद्यालय भौतिक, गणित व रसायन विज्ञान में एमएससी के पाठ्यक्रम पहले से चल रहे है। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर व्यवसाय प्रबंधन में भी 60 सीटों पर बीबीए पाठ्यक्रम शुरू करेगा।

नए पाठ्यक्रम शुरू होने से रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी: बीएससी (एनिमेशन व मल्टीमीडिया) के द्वारा विद्यार्थी टीवी चैनल्स, प्रोडक्शन हाउस, डिजाइन व क्रिएटिव फर्म, आईटी सॉफ्टवेयर कंपनियों तथा वीडियो गेमिंग इंडस्ट्री में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एनिमेशन व मल्टीमीडिया में जरूरी ज्ञान एवं कौशल प्रदान करेगा, जिससे वे इस क्षेत्र में अपना सफल करियर बना सकते हैं।

नए पाठ्यक्रमों को औद्योगिक जरूरतों के मुताबिक तैयार किया जा रहा है और इसी के अनुरूप विश्वविद्यालय में ढांचागत सुविधाओं को भी अपग्रेड किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए जल्द ही आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के बीटेक के सभी पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसाइटी (एचएसआइईटी) के माध्यम से जेईई मुख्य परीक्षा में प्राप्त रैंकिंग के आधार पर काउंसलिंग द्वारा किया जाता है।

प्रो. दिनेश कुमार, कुलपति वाईएमसीए विश्वविद्यालय।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 02.05.2018

DAINIK BHASKAR

सुविधा बी. टेक (सिविल इंजीनियरिंग) व बीएससी (एनिमेशन व मल्टीमीडिया) को किया जा रहा है शुरू

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में नए सत्र से इंजीनियरिंग

भास्कर न्यूज|फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जुलाई से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र से स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा प्रबंधन के पाठ्यक्रम शुरू होंगे। इन पाठ्यक्रमों में सिविल इंजीनियरिंग में बी. टेक, एनिमेशन तथा मल्टीमीडिया में बीएससी, मैथ एवं केमिस्ट्री में बीएससी ऑनर्स तथा बीबीए शामिल हैं। इसके अलावा नए सत्र से एमसीए तथा बी. टेक (कम्प्यूटर इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रमों की सीटें भी बढ़ाई जा रही हैं। इस संबंध में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने 60 सीटों के साथ बी. टेक (सिविल इंजीनियरिंग) शुरू करने के विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकृति

फरीदाबाद. वाईएमसीए विश्वविद्यालय।

प्रदान कर दी है, जिसे विश्वविद्यालय आगामी सत्र से शुरू करेगा। यह पाठ्यक्रम आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों जैसे निर्माण प्रौद्योगिकी, भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, संरचनात्मक इंजीनियरिंग व पर्यावरण इंजीनियरिंग की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से डिजाइन किया जा रहा है। कुलपति के अनुसार एआईसीटीई ने विश्वविद्यालय के पहले से चल रहे बी. टेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) तथा मास्टर्स आफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) पाठ्यक्रमों की सीटों को क्रमशः 60 से 120 तथा 30 से 60 बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। बी. टेक के नए पाठ्यक्रम तथा चल रहे पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाने की स्वीकृति एआईसीटीई की विशेषज्ञ टीम द्वारा 20 मार्च 2018 को विश्वविद्यालय में किए गए निरीक्षण के बाद दी गई है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय की 60 सीटों के साथ बीसीए तथा 40 सीटों के साथ एनिमेशन व मल्टीमीडिया में बीएससी पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है। बीएससी (एनिमेशन व मल्टीमीडिया) के द्वारा विद्यार्थी टीवी चैनल्स, प्रोडक्शन हाउस, डिजाइन व क्रिएटिव फर्म, आईटी सॉफ्टवेयर कंपनियों तथा वीडियो गेमिंग इंडस्ट्री में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते है। ये पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एनिमेशन व मल्टीमीडिया में जरूरी ज्ञान एवं कौशल प्रदान करेगा जिससे वे इस क्षेत्र में अपना सफल करियर बना सकते हैं। विश्वविद्यालय विज्ञान संकाय में भी नए पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। जिसका मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर विज्ञान के ज्यादा से ज्यादा पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना है।

कुलपति के मुताबिक गत वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा 60 सीटों के साथ बीएससी (ऑनर्स) फिजिक्स की शुरुआत की गई थी, जबकि इस वर्ष विश्वविद्यालय 60-60 सीटों के साथ बीएससी (ऑनर्स) मैथ व केमिस्ट्री शुरू करने जा रहा है। विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर व्यवसाय प्रबंधन में 60 सीटों के साथ बीबीए पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। हालांकि स्नातकोत्तर स्तर पर 60-60 सीटों के साथ एमबीए के दो पाठ्यक्रम पहले से चल रहे हैं।

NAVBHARAT TIMES

खुशखबरी बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग) व बीएससी (एनिमेशन व मल्टिमीडिया) में इसी सत्र से ही प्रवेश

YMCA में इस बार से बीबीए और बीसीए भी

■ प्रमुख संवाददाता, फरीदाबाद

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में इस सत्र से बीबीए और बीसीए की पढ़ाई हो सकेगी। बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग) और बीएससी (एनिमेशन व मल्टिमीडिया) में भी प्रवेश की मंजूरी मिल चुकी है। कई अन्य कोर्स में सीटें भी बढ़ाई गई हैं। एआईसीटीई की टीम ने 20 मार्च को विश्वविद्यालय का दौरा करने के बाद इन कोर्सों में प्रवेश की मंजूरी दी है।

नए सत्र से एमसीए और बीटेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) की सीटें बढ़ाई गई हैं। कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि एआईसीटीई ने 60 सीटों के साथ बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग) शुरू करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिसे विश्वविद्यालय इसी सेशन से शुरू करेगा। यह कोर्स आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से डिजाइन किया जा रहा है।

दोनों कोर्स में 60-60 सीटों पर होंगे प्रवेश

कुलपति ने बताया कि एआईसीटीई ने विश्वविद्यालय में पहले से चल रहे बीटेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) के लिए 60-120 और एमसीए के लिए 30 से 60 सीटें बढ़ाने की स्वीकृति दी है। यूनिवर्सिटी में 60 सीटों के साथ बीसीए तथा 40 सीटों के साथ एनिमेशन व मल्टीमीडिया में बीएससी के कोर्स में भी इस बार प्रवेश लिए जाएंगे। यूनिवर्सिटी की ओर से 60 सीटों के साथ बीएससी (ऑनर्स) फिजिक्स की शुरुआत की गई थी। इस साल 60-60 सीटों के साथ बीएससी (ऑनर्स) मैथ्स व कैमिस्ट्री शुरू किया जाएगा। इसी तरह ग्रैजुएशन लेवल पर व्यवसाय प्रबंधन में 60 सीटों के साथ बीबीए पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 02.05.2018

PUNJAB KESARI

वाईएमसीए वि.वि. में कई नए पाठ्यक्रम

अगले सत्र से शुरू होंगे बीटेक, सिविल इंजीनियरिंग, बीएससी, एनिमेशन व मल्टीमीडिया के कोर्स

■ अपग्रेड की जाएंगी ढांचागत सुविधाएं

फ रीदाबाद, 1 मई (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने जुलाई में शुरू होने वाले आगामी शैक्षणिक सत्र से स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा प्रबंधन के नये पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इन नये पाठ्यक्रमों में सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक, एनिमेशन तथा मल्टीमीडिया में बीएससी मैथ एवं कैमिस्ट्री में बीएससी ऑनर्स तथा बीबीए शामिल हैं। इसके अलावा नये सत्र से एमसीए तथा बीटेक, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाई जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए ककुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, एआईसीटीई ने 60 सीटों के साथ बीटेक, सिविल इंजीनियरिंग, शुरू करने के विवि के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है जिसे विवि आगामी सत्र से शुरू करेगा।

यह पाठ्यक्रम आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों जैसे निर्माण प्रौद्योगिकी, भू तकनीकी इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, संरचनात्मक इंजीनियरिंग तथा पर्यावरण इंजीनियरिंग की आवश्यकताओं को पूरा करने उद्देश्य से डिजाइन किया जा रहा और इस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी जटिल संरचनाओं का विश्लेषण और डिजाइन करने में पूरी तरह से प्रशिक्षित होंगे। कुलपति ने बताया कि एआईसीटीई ने विवि के पहले से चल रहे बीटेक, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग तथा मास्टर्स आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स, एमसीए, पाठ्यक्रमों की सीटों को क्रमश: 60 से 120 तथा 30 से 60 बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। बीटेक के नया पाठयक्रम तथा चल रहे पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाने की स्वीकृति एआईसीटीई की विशेषज्ञ टीम द्वारा 20 मार्च, 2018 को विवि में किये गये निरीक्षण के बाद दी गई है, जिसमें विशेषज्ञ टीम द्वारा विवि में विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही अकादमिक सुविधाओं का जायजा लिया गया था।

इसके साथ ही विवि की 60 सीटों के साथ बीसीए तथा 40 सीटों के साथ एनिमेशन व मल्टीमीडिया में बीएससी के पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है। बीएससी एनिमेशन व मल्टीमीडिया के द्वारा विद्यार्थी टीवी चैनल्स, प्रोडक्शन हाउस, डिजाइन व क्रिएटिव फर्म आईटी सॉफ्टवेयर कंपनियों तथा वीडियो गेमिंग इंडस्ट्री में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एनिमेशन व मल्टीमीडिया में जरूरी ज्ञान एवं कौशल प्रदान करेगा, जिससे वे इस क्षेत्र में अपना सफल करियर बना सकते है। विश्वविद्यालय विज्ञान संकाय में भी नये पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। जिसका मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर विज्ञान के ज्यादा से ज्यादा पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाना है। कुलपति ने बताया कि विगत वर्ष विवि द्वारा 60 सीटों के साथ बीएससी, ऑनर्स फिजिक्स की शुरूआत की गई थी और इस वर्ष विवि 60.60 सीटों के साथ बीएससी, ऑनर्स मैथ व कैमिस्ट्री शुरू करने जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को विवि में ही भविष्य में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के बाद उच्च शिक्षा का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि विवि फिजिक्स, मैथ व कैमिस्ट्री में एमएससी के पाठ्यक्रम पहले से चल रहे है। इसी प्रकार विवि स्नातक स्तर पर व्यवसाय प्रबंधन में 60 सीटों के साथ बीबीए पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। हालांकि, स्नातकोत्तर स्तर पर 60.60 सीटों के साथ एमबीए के दो पाठ्यक्रम पहले से चल रहे है। कुलपति ने बताया कि नये पाठ्यक्रमों को औद्योगिक जरूरतों के मुताबिक तैयार किया जा रहा है और इसी के अनुरूप विवि में ढांचागत सुविधाओं को भी अपग्रेड किया जायेगा। डीन अकादमिक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन जल्द ही आमंत्रित किये जायेंगे। विवि के बीटेक के सभी पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसाइटी, एचएसआईईटी के माध्यम से जेईई मुख्य परीक्षा में प्राप्त रैंकिंग के आधार पर काउंसलिंग द्वारा किया जाता है तथा अन्य पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला विवि स्तर पर आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा द्वारा किया जाता है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 02 May 2018
epaper.punjabkesari.in/c/28334261

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 02.05.2018

HINDUSTAN

जुलाई में शुरू होने वाले सत्र में दाखिले की प्रकिया शुरू होगी

वाईएमसीए में कई नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे

अच्छी खबर

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

इंजीनियरिंग में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए अच्छी खबर है। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्नातक में इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा प्रबंधन सहित कई नए पाठ्यक्रम को शुरू करने का निर्णय लिया गया है। वहीं, एमसीए और कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में बी.टेक की सीट को दोगुना कर दिया गया है। सबकुछ ठीक रहा तो इसे नए सत्र में शुरू कर दिया जाएगा।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग), कम्प्यूटर एपीलिकेशन, बीएससीए गणित (ऑनर्स) सहित कई पाठ्यक्रम में 60-60 सीटों के साथ शुरू करने का निर्णय लिया गया है। वहीं, मल्टी मीडिया 40 सीटों के साथ शुरू करने के लिए हरी झंडी मिल गई है। इसे जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा। जुलाई में शुरू होने वाले सत्र में दाखिले की प्रकिया शुरू हो जाएगी। इसके लिए आवेदन पत्र जल्द निकाल दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर का कहना है कि आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र प्रौद्योगिकी, भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, संरचनात्मक इंजीनियरिंग तथा पर्यावरण इंजीनियरिंग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शुरू करने का निर्णय लिय गया है। डीन (अकादमिक) बताया ने बताया इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन जल्द ही आमंत्रित किए जाएंगे। बीटेक के सभी पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसाइटी (एचएसआईईटी) के माध्यम से जेईई मुख्य परीक्षा में प्राप्त रैंकिंग के आधार पर काउंसलिंग किया जाएगा।

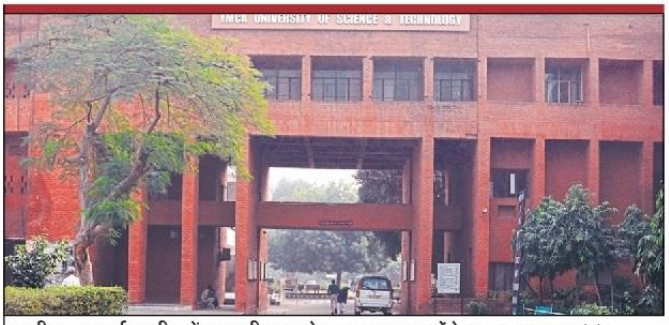

फरीदाबाद वाईएमसीए में आगामी सत्र से नए पाठ्यक्रम होंगे शुरू। (फाइल फोटो)

मल्टीमीडिया का पाठ्यक्रम भी होगा शुरू

बीएससी एनिमेशन व मल्टीमीडिया के पाठ्यक्रम को शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसमें 40 विद्यार्थियों का दाखिला मिलेगा। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को टीवी चैनल, प्रोडक्शन हाउस, डिजाइन व क्रिएटिव फर्म, आईटी सॉफ्टवेयर कंपनियों तथा वीडियो गेमिंग इंडस्ट्री में रोजगार के विषय में जानकारी दी जाएगी। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एनिमेशन व मल्टीमीडिया में जरूरी ज्ञान एवं कौशल प्रदान करेगा, जिससे वे इस क्षेत्र में अपना सफल करियर बना सकते है।

किस पाठ्यक्रम में कितनी हैं सीटें

पाठ्यक्रम		सीट
बीटेक इंजीनियरिंग	:	60
बीएससी कम्प्यूटर एप्लीकेशन	:	60
बीएससी मल्टी मीडिया	:	40
बीएससी गणित	:	60
बीएससी रसायन शास्त्र	:	60
बीबीए	:	60

पाठ्यक्रम को इस सत्र में शुरु करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

-दिनेश कुमार, विश्वविद्यालय के कुलपति

दोगुना हुई सीटें

एआईसीटीई ने विश्वविद्यालय के पहले से चल रहे बीटेक (कम्प्यूटर इंजीनियरिंग) में 60 सीट से बढ़ाकर 120 कीहै। एमसीए पाठ्यक्रमों की सीटों संख्या 30 से 60 कर दी गई है।

NEWS CLIPPING: 02.05.2018

PUNJAB KESARI (DELHI)

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा प्रबंधन के नये पाठ्यक्रम

- बी टेक सिविल इंजीनियरिंग व बीएससी ;एनिमेशन व मल्टीमीडिया को किया जा रहा है शुरू
- बीएससी ऑनर्स में मैथ और कैमिस्ट्री तथा बीसीए और बीबीए भी नये सत्र से होंगे शुरू

फरीदाबाद, राकेश देव ब्यूरो चीफ (पंजाब केसरी): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद ने जुलाई में शुरू होने वाले आगामी शैक्षणिक सत्र से स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंगए विज्ञान तथा प्रबंधन के नये पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इन नये पाठ्यक्रमों में सिविल इंजीनियरिंग में बी टेक, एनिमेशन तथा मल्टीमीडिया में बीएससीए मैथ एवं कैमिस्ट्री में बीएससी ऑनर्स तथा बीबीए शामिल हैं। इसके अलावाए नये सत्र से एमसीए तथा बीण्टेक कम्प्यूटर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाई जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् एआईसीटीई ने 60 सीटों के साथ बी टेक सिविल इंजीनियरिंग शुरू करने के विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिसे विश्वविद्यालय आगामी सत्र से शुरू करेगा। यह पाठ्यक्रम आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों जैसे निर्माण प्रौद्योगिकी, भू.तकनीकी इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, संरचनात्मक इंजीनियरिंग तथा पर्यावरण इंजीनियरिंग की आवश्यकताओं को पूरा करने उद्देश्य से डिजाइन किया जा रहा और इस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी जटिल संरचनाओं का विश्लेषण और डिजाइन करने में पूरी तरह से प्रशिक्षित होंगे।

कुलपति ने बताया कि एआईसीटीई ने विश्वविद्यालय के पहले से चल रहे बी टेक कम्प्यूटर इंजीनियरिंग तथा मास्टर्स आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स एमसीए पाठ्यक्रमों की सीटों को क्रमश: 60 से 120 तथा 30 से 60 बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। बीण्टेक के नया पाठ्यक्रम तथा चल रहे पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाने की स्वीकृति एआईसीटीई की विशेषज्ञ टीम द्वारा 20 मार्च, 2018 को विश्वविद्यालय में किये गये निरीक्षण के उपरांत दी गई है, जिसमें विशेषज्ञ टीम द्वारा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही अकादमिक सुविधाओं का जायजा लिया गया था।

इसके साथ ही, विश्वविद्यालय की 60 सीटों के साथ बीसीए तथा 40 सीटों के साथ एनिमेशन व मल्टीमीडिया में बीएससी के पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है। बीएससी एनिमेशन व मल्टीमीडिया के द्वारा विद्यार्थी टीवी चैनल्स, प्रोडक्शन हाउस, डिजाइन व क्रिएटिव फर्म, आईटी सॉफ्टवेयर कंपनियों तथा वीडियो गेमिंग इंडस्ट्री में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एनिमेशन व मल्टीमीडिया में जरूरी ज्ञान एवं कौशल प्रदान करेगा, जिससे वे इस क्षेत्र में अपना सफल करियर बना सकते है।

NEWS CLIPPING: 02.05.2018

AMAR UJALA

इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रबंधन के लागू होंग नए पाठ्यक्रम

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने जुलाई में शुरू होने वाले आगामी शैक्षणिक सत्र से स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रबंधन के नए पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इन नए पाठ्यक्रमों में सिविल इंजीनियरिंग में बी-टेक, एनिमेशन और मल्टीमीडिया में बीएससी, मैथ एवं केमिस्ट्री में बीएससी ऑनर्स और बीबीए शामिल हैं। इसके साथ ही नए सत्र से एमसीए और बीटेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाई जा रही है।' मंगलवार को ये जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दी।

कुलपति ने बताया कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने 60 सीटों के साथ बी-टेक (सिविल इंजीनियरिंग) शुरू करने के विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह पाठ्यक्रम आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों जैसे निर्माण प्रौद्योगिकी, भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, परिवहन इंजीनियरिंग, संरचनात्मक इंजीनियरिंग और पर्यावरण इंजीनियरिंग की आवश्यकताओं को पूरा करने उद्देश्य से डिजाइन किया जा रहा है। ब्यूरो